देश की लोकप्रिय मासिक हिन्दी खेल पत्रिका

शानदार 31वां वर्ष

नेशनल स्पोर्ट्स टाइम्स

सितंबर-2024

न्यूज मैगजीन

मूल्य ₹25

बॉर्डर-गावस्कर सीरिज

ट्रॉफी के लिए माहौल गर्म

क्रिकेट के तीनों प्रारुपों में रहा है

गब्बर का जलवा

एक दिसंबर से नई भूमिका में होंगे जय शाह

पेरिस की कामयाबी के बाद

भारतीय हॉकी टीम की नजर अब एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी पर

भारत-बांग्लादेश टेस्ट सीरिज

रोहित की कप्तानी में भारत को भारत में हराना बांग्लादेश के लिए होगी बड़ी चुनौती

सेंटर पेज स्टोरी

पेरिस पैरालंपिक में भारत का रिकार्डतोड़ प्रदर्शन

Website: nationalsportstimes.org

स्पोर्ट्स वेब पोर्टल

आरएनआई नंबरः 69917/94 डाक पंजीयन म.प्र. / भोपाल / 607 / 2024-26 / 1 तारीख को प्रकाशित / डाक पोस्टिंग 5 तारीख

Email: nationalsportstimes@yahoo.com, nationalsportstimes@gmail.com

नेशनल स्पोर्ट्स टाइम्स

पंजीयन संख्या (आरएनआई): 69917/94, डाक पंजी. न. मप्र/भोपाल/607/2024-26

■ वर्ष-31 ■ अंक-3 ■ क्रमांक-286 ■ सितंबर-2024 ■ मूल्य-25 रूपये

संपादकीय मंडल

प्रधान संपादक	:	इन्द्रजीत मौर्य
कार्यकारी संपादक	:	सुरेश कुमार
प्रबंधक	:	मयूरी मौर्य
विज्ञापन प्रबंधक	:	अजय मौर्य
विज्ञापन सहायक	:	रामेश्वर भार्गव
डिजाइनिंग	:	सुरेन्द्र डहारे
फोटो जर्नलिस्ट	:	मनीष शुक्ला
कार्टूनिस्ट	:	वीरेंद्र कुमार ओगले

सलाहकार संपादक

- अरुणेश्वर सिंहदेव
- अरुण भगोलीवाल
- आशीष पाण्डे
- शांति कुमार जैन
- समीर मिरीकर
- सुशील सिंह ठाकुर
- राजीव सक्सेना
- शंकर मूर्ति

विशेष संवाददाता / समीक्षक

अरुण अर्णव, अनिल वर्मा, हरेंद्र नागेश साहू, हरीश हर्ष, चरनपालसिंह सोबती, वीरेन्द्र शुक्ल, सरिता अरगरे, मोहन द्विवेदी, मो. ईशाउद्दीन, धर्मेश यशलाहा, दामोदर आर्य, डॉ. मुनीष राणा, प्रशांत सेंगर, सुदेश सांगते, डॉ. प्रशांत मिश्रा, विजय रांगणेकर, संजय बेनर्जी, अमरनाथ, मो. अफरोज।

संपादकीय कार्यालय

बी-10, छत्रपति नगर, अयोध्या बायपास, भोपाल
फोन : 0755-4218892,
मोबाइलः 094250-25727, 8349994166

पंजीयन कार्यालय : ई-197, ओल्ड मीनाल रेसीडेंसी, जे.के. रोड, भोपाल, मप्र-462023,

E-Mail: nationalsportstimes@Yahoo.com
nationalsportstimes@gmail.com

फोटो स्रोतः इंटरनेट, सोशल मीडिया, अखबार एवं ब्यूरो कार्यालय

ब्यूरो कार्यालय

इंदौर, उज्जैन, नागदा, देवास, सीहोर, विदिशा, रायसेन, बुरहानपुर, धार, जबलपुर, ग्वालियर, दतिया, रीवा, सतना, खण्डवा, खरगोन, शहडोल, छिंदवाड़ा, सागर, छतरपुर, होशंगाबाद, बैतूल, इटारसी, रतलाम, शिवपुरी, ललितपुर, झाँसी, नागपुर, रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर, मुंबई, रत्नागिरी, कोलहापुर, पूना, जलगाँव, दिल्ली, नोएडा, हरियाणा, लुधियाना, जालंधर, मेरठ, लखनऊ, कानपुर, इलाहाबाद, गोरखपुर, मिर्जापुर, जयपुर, पटना, नैनीताल, देहरादून, कुमाऊ, गाजियाबाद, एंगुल (उड़ीसा), ऊना, शिमला, भुवनेश्वर।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक इन्द्रजीत मौर्य द्वारा सुलेख आफसेट प्लाट नं. 150, एल-5, मनोरमा काम्प्लेक्स, जोन-1, एमपी नगर, भोपाल से मुद्रित तथा ई-197, मीनाल रेसीडेंसी, जे.के. रोड, राज होम्स कॉलोनी, भोपाल से प्रकाशित। संपादक इन्द्रजीत मौर्य।

खेल पत्रिका में प्रकाशित लेखों की जिम्मेदारी लेखक की है। प्रकाशक एवं संपादक का लेखक से सहमत होना अनिवार्य नहीं है। (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल न्यायालय रहेगा।

17 शिखर का संन्यास

क्रिकेट के तीनों प्रारुपों में रहा है गब्बर का जलवा

अंदर के पन्नों पर

महिला टी20 विश्व कप का नया कार्यक्रम	13
घरेलू क्रिकेट कई बदलाव के साथ शुरू	14
युवराज की बायोपिक	20
ग्वालियर में नए स्टेडियम....	22
श्रीजेश का मिला गार्ड ऑफ मार्डन	31
फुटबाल को कितना बदल सकेंगे नए कोच	33
तन्वी को एशियाई खिताब	35
खिलाड़ियों का खिलाड़ी लिएंडर पेस	37
फुटबाल राउंडअप	40
खेल छत्तीसगढ़	44-45
खेल मध्यप्रदेश	45-53
पहचान कौन	54

पैरा ओलंपिक में पदक जीतने वाले पहले भारतीय जुडोका बने कपिल परमार

छपते-छपते

भारत के पैरा जूडो खिलाड़ी कपिल परमार ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक अपने नाम किया। कपिल ने पुरुष 60 किग्रा जे1 स्पर्धा के कांस्य पदक मुकाबले में ब्राजील के एलिएलटन डि ओलिवेरा को 10-0 से हराया और कांसा लाने में सफल रहे। कपिल ने इसके साथ ही इतिहास रच दिया क्योंकि वह भारत के पहले जूडोका हैं जिन्होंने पैरालंपिक या ओलंपिक में कोई पदक अपने नाम किया है। भारत ने इस तरह पेरिस पैरालंपिक में अपने पदकों की संख्या 25 पहुंचा दी है। भारत अब तक पेरिस खेलों में पांच स्वर्ण, नौ रजत और 11 कांस्य पदक अपने नाम कर चुका है।

परमार ने 2022 एशियाई खेलों में इसी वर्ग में रजत पदक जीता था। उन्होंने क्वार्टर फाइनल में वेनेजुएला के मार्को डेनिस ब्लांको को 10-0 से शिकस्त दी थी, लेकिन सेमीफाइनल में ईरान के एस बनिताबा खोर्रम अबादी से पराजित हो गए। परमार को दोनों मुकाबलों में एक एक पीला कार्ड मिला। कपिल भले ही स्वर्ण नहीं ला सके, लेकिन कांस्य पदक जीतने में सफल रहे। पैरा जूडो में जे1 वर्ग में वो खिलाड़ी हिस्सा लेते हैं जो दृष्टिबाधित होते हैं या फिर उनकी कम दृष्टि होती है।

परमार मध्य प्रदेश के शिवोर नाम के एक छोटे से गांव से हैं। बचपन में परमार के साथ एक दुर्घटना हुई थी। जब वह अपने गांव के खेतों में खेल रहे थे और गलती से पानी के पंप को छू लिया जिससे उन्हें बिजली का जोरदार झटका लगा। बेहोश परमार को अस्पताल ले जाया गया और वह छह महीने तक कोमा में रहे। वह चार भाइयों और एक बहन में सबसे छोटे हैं। परमार के पिता टैक्सी चालक हैं जबकि उनकी बहन एक प्राथमिक विद्यालय चलाती हैं।

इस असफलता के बावजूद परमार ने जूडो के प्रति अपने जुनून को कभी नहीं छोड़ा। उन्होंने अपने मेंटोर और कोच भगवान दास और मनोज की बदौलत जूडो में अपने जुनून को आगे बढ़ाना जारी रखा। परमार जरूरतों को पूरा करने के लिए अपने भाई ललित के साथ मिलकर एक चाय की दुकान चलाते। ललित उनकी प्रेरणा का स्रोत हैं और आज भी उनकी वित्तीय सहायता का मुख्य स्रोत हैं।